

PAPER-III
ADULT EDUCATION

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

D 4 6 1 0

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

ADULT EDUCATION

प्रौढ शिक्षा

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Write an essay on Consumer Rights Protection in India.

भारत में उपभोक्ता अधिकार संरक्षण पर निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Write an essay on Mahatma Gandhi's contribution to education.

शिक्षा के प्रति महात्मा गाँधी के योगदान पर निबन्ध लिखिए ।

2. Write an essay on History of Adult Education in India.
भारत में प्रौढ़ शिक्षा के इतिहास पर निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Write an essay on the role and importance of Adult Education in contemporary society.

समकालीन समाज में प्रौढ़ शिक्षा के महत्त्व एवं भूमिका पर निबन्ध लिखिए ।

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **पन्द्रह-पन्द्रह (15)** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Describe the different characteristics of Adult Male and Female learners.
प्रौढ़ पुरुष एवं प्रौढ़ महिला शिक्षार्थियों की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
4. Identify the appropriate teaching and learning materials for Adult learners, particularly related to rural communities.
ग्रामीण समुदाय से सम्बन्धित प्रौढ़ शिक्षार्थियों के लिए उपयुक्त अध्ययन एवं अध्यापन सामग्री को चिह्नित कीजिये ।
5. Critically examine the role and functions of University Extension Programme and suggest ways to strengthen it in the light of challenges posed by globalization.
वैश्वीकरण से उत्पन्न चुनौतियों के प्रकाश में विश्वविद्यालयीन प्रसार कार्यक्रमों की भूमिका को शक्तिशाली एवं सुदृढ़ बनाने के तरीकों का आलोचनात्मक परीक्षण करते हुए सुझाव दीजिये ।

SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Describe the difference between formal education and non-formal education system in India.

भारत में औपचारिक एवं गैर-औपचारिक शिक्षा पद्धति के मध्य अन्तर को बताइये ।

7. Describe the difference between Population Education and Population Studies.
जनसंख्या शिक्षा एवं जनसंख्या अध्ययन में अन्तर बताइये ।

8. What is the importance of programme planning and management for community development ? Explain.
सामुदायिक विकास के लिये कार्यक्रम नियोजन एवं प्रबन्धन का क्या महत्त्व है ? व्याख्या कीजिये ।

9. Explain the role of audio-visual aids and educational technologies for creating knowledge society.

जानकार समाज सृजित करने के लिये दृश्य-श्रव्य सामग्री एवं शैक्षिक प्रौद्योगिकी की भूमिका की व्याख्या कीजिये ।

10. Whether women's empowerment can lead to gender justice in India ? Explain.

क्या भारत महिला सशक्तिकरण लिंगीय न्याय की ओर अग्रसर कर सकता है ? व्याख्या कीजिये ।

11. Explain the measures taken for the protection of Human Rights in India.
भारत में मानव अधिकारों की सुरक्षा के लिये किये गये प्रयासों की व्याख्या कीजिये ।

12. Whether computers can be useful in the field of life-long education ? Explain with examples.

आजीवन शिक्षा के क्षेत्र में क्या कम्प्यूटर उपयोगी हो सकते हैं ? सोदाहरण व्याख्या कीजिये ।

13. List the educational efforts in the field of social justice in contemporary India.
समकालिक भारत में सामाजिक न्याय के क्षेत्र में शैक्षिक प्रयत्नों को सूचीबद्ध कीजिए ।

14. “Social justice leads to social inclusiveness.” Explain with examples.
“सामाजिक न्याय सामाजिक समावेशन को अग्रसर करता है ।” सोदाहरण व्याख्या कीजिये ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

As one traces the recommendations of the various Commissions and the UGC guidelines issued from time to time for Adult, Continuing Education & Extension, it is evident that one of the goals of the UGC is to transform the University system into an active instrument for social change through the institutionalization of Extension as the Third Dimension and by ensuring that the University system is adult learner friendly and pro-life long learning.

It is commonly known that through the dimension of teaching, there is dissemination of knowledge, through research new knowledge is generated and through the dimension of extension there is application of knowledge in real life situations, which leads to the further generation of new knowledge.

It was way back in 1960 that the Kothari Commission first articulated the concept of Extension and the TRINITY of Teaching, Research & Extension. The Commission stated that Extension was essential for :

- making education relevant to real life situations;
- for preventing the alienation of the educand from society;
- for developing in the educand a sense of responsibility towards society
- for deepening the teacher's knowledge through a wider exposure to real life situations

In 1977 the University Grants Commission first incorporated Extension into its Policy Statement for Higher Education when it stated that

If the University system has to discharge adequately its responsibilities to the entire education system and to the society as a whole it must assume extension as the third important responsibility and give it the same status as teaching and research. This is a new and extremely significant area which should be developed on the basis of high priority.

The acceptance of Extension as the Third Dimension equal in importance to teaching and research was in the context of a growing realisation that the universities and colleges having institutional resources – knowledge, manpower and physical – have an obligation to develop sensitivities to involve the development of the community with particular reference to the overall and diverse learning needs of all the segments of the people of the community.

विभिन्न आयोगों की सिफारिशों एवं प्रौढ़ सतत शिक्षा एवं विस्तार के लिये समय समय पर जारी दिशा-निर्देशों को देखने से यह स्पष्ट होता है, कि यू.जी.सी. का एक लक्ष्य यह भी है, जिसमें विश्वविद्यालयीन तंत्र को एक सामाजिक परिवर्तन के उपकरण के रूप में परिवर्तित करना है। इसके अन्तर्गत यह सुनिश्चित करना था कि, विश्वविद्यालयीन प्रणाली में विस्तार गतिविधियों को सामाजिक परिवर्तन के सक्रिय उपकरण के रूप में, उसे तृतीय आयाम बनाया जावे, जो प्रौढ़ शिक्षार्थी को पूर्व आजीवन एवं मित्रवत हो।

सामान्यतः यह समझा जाता है कि, अध्यापन के जरिये ज्ञान के आयाम का प्रसार होता है। इसी प्रकार शोध के जरिये नवीन ज्ञान का सृजन होता है तथा विस्तार आयाम के जरिये, ज्ञान जीवन की वास्तविक स्थितियों में उपयोगी होता है, जिससे पुनः नवीन ज्ञान का सृजन होता है।

इस क्रम में, सर्वप्रथम 1960 में कोठारी आयोग ने अध्यापन, शोध के साथ-साथ विस्तार की एक अवधारणा के रूप में, प्रस्तुत किया गया, जिसमें उसे निम्न को अनिवार्य माना :

- शिक्षा को जीवन की वास्तविक स्थितियों के लिये प्रासंगिक बनाना।
- समाज से शिक्षार्थियों के विमुखीकरण को रोकना।
- शिक्षार्थियों में समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव विकसित करना एवं शिक्षक के व्यापक बोध के द्वारा उसे जीवन की वास्तविक स्थितियों के प्रति उसके ज्ञान में वृद्धि करना।

तदोपरांत 1977 में यू.जी.सी. द्वारा उच्च शिक्षा के लिये विस्तार को अपनी नीति निर्देशिका में समाहित कर कहा कि यदि विश्वविद्यालयीन प्रणाली, सम्पूर्ण समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों विशेषकर उच्च शिक्षा के उत्तरदायित्वों को यथेष्ट रूप से पूरा करना चाहे तो उसे विस्तार को तृतीय आयाम के रूप में वही स्थान देना होगा, जो कि अध्यापन एवं शोध को दिया गया है, क्योंकि यह अत्यंत महत्वपूर्ण एवं नवीन क्षेत्र है, अतः इसे प्राथमिकता के आधार पर विकसित करना चाहिये।

अध्यापन एवं शोध के समान ही विस्तार को समान स्वीकृति इस समझ के आधार पर स्वीकृति दी गई कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय जिनके संस्थागत संसाधन – ज्ञान, जनशक्ति एवं भौतिक वस्तुएँ हैं – को समुदाय के विकास को अग्रसर करने के लिये उनमें संवेदनशीलता विकसित करने का उत्तरदायित्व लेना चाहिये, विशेषकर, समुदाय के सभी वर्गों के लिये व्यक्तियों की अध्ययन सम्बन्धी विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति के संदर्भ में भी।

15. What is the fundamental recommendation of various Education Commissions and why do we need it ?

विभिन्न शिक्षा आयोगों की मूलभूत अनुशंसायें क्या हैं ? और उनकी हमें क्यों आवश्यकता है ?

16. How can we generate new knowledge ?

हम नवीन ज्ञान का सृजन किस प्रकार कर सकते हैं ?

19. Why does the University system need to accept Extension as third dimension ?
विश्वविद्यालयीन प्रणाली में विस्तार को तृतीय आयाम के रूप में स्वीकार करना क्यों आवश्यक है ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date